**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय**

**रक्षा विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 3361**

**26 मार्च, 2018 को उत्‍तर के लिए**

**रक्षा व्यय में कमी आना**

**3361. श्री वीर सिंहः**

क्‍या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विगत कुछ वर्षों से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के प्रतिशत के रूप में रक्षा व्यय में कमी होती जा रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार रक्षा व्यय को बढ़ाए जाने पर विचार कर रही है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

**उत्‍तर**

**रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (डॉ. सुभाष भामरे)**

(क) से (घ): एक विवरण संलग्न है ।

**रक्षा व्यय में कमी आने के बारे में राज्य सभा में दिनांक 26 मार्च, 2018 को उत्तर दिए जाने के लिए अतारांकित प्रश्न सं. 3361 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण**

(क) से (घ): गत वर्षों के दौरान रक्षा व्यय में प्रतिवर्ष सतत रूप से वृद्धि हुई है, जैसाकि गत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान नीचे सारणी में दिए गए ब्यौरों से स्पष्ट है । सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के प्रतिशत के रूप में व्यय का उल्लेख भी नीचे सारणी में किया गया हैः-

**(करोड़ रुपए में)**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **वर्ष** | **कुल रक्षा व्यय** | **सकल घरेलू उत्पाद** | **सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में कुल रक्षा व्यय** |
| 2015-16 | 2,93,920 | 1,13,81,002 | 2.58 |
| 2016-17 (वास्तविक) | 3,54,621 | 1,21,89,854 (पीई) | 2.9 |
| 2017-18 # (आरई) | 3,74,004 | 1,67,84,679 (आरई) | 2.2 |
| 2018-19 (बीई) | 4,04,365 | 1,87,22,302 (प्रस्ताव) | 2.16 |

आवंटित निधियों का संक्रियात्मक आवश्यकताओं के लिए इष्टतम और पूर्ण रूप से उपयोग किया जाता है । बजट आवंटन के आधार पर यह सुनिश्चित करने के लिए योजनाओं को पुनः प्राथमिकता दी जाती है कि रक्षा सेनाओं की संक्रियात्मक तैयारी से किसी भी प्रकार का कोई समझौता किए बगैर तात्कालिक एवं जटिल क्षमताओं का अर्जन किया जा सके ।

**\*\*\*\*\***